

सीखने की योजना बनाना



भारत में विद्यालय आधारित
समर्थन के माध्यम से शिक्षक
शिक्षा
www.TESS-India.edu.in



<http://creativecommons.org/licenses/>



संदेश



शिक्षकों को बाल केंद्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है। ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ० मुरली मनोहर सिंह)

निदेशक

एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. कासिम खुशीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेजी
श्री अरशद रजा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेजी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिजवान रिजवी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र-केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (**Open Education Resources – OERs**) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये हैं और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (<http://www.tess-india.edu.in>)। मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: . इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए **TESS-India** वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या **TESS-India** की वेबसाइट, <http://www.tess-india.edu.in/> से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE07v2
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है।
<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई किसी कहानी, टेक्स्ट या पाठ्यपुस्तक के पाठ से जुड़ी विभिन्न भाषाई और साक्षरता गतिविधियों की योजना बनाने के तरीके के बारे में है। यह इकाई इन गतिविधियों के समूह कार्यों के प्रबंधन पर भी ध्यान केंद्रित करती है।

किसी कहानी, कविता या अखबार के लेख से भी आप बहुत कुछ कर सकते हैं। आप अंग्रेजी पाठों के लिए जो भी टेक्स्ट चुनते हैं, वह इस टेक्स्ट से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से अंग्रेजी भाषा का कौशल विकसित करने में छात्र-छात्राओं की मदद करने के लिए प्रारंभिक बिंदु हो सकता है।

छात्र-छात्राओं को नए अनुभव अच्छे लगते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी दिनचर्या भी अच्छी लगती है, जिसमें नए कौशल और विचारों का अभ्यास करने के अवसर बार-बार मिलें। इन कारकों का अर्थ यह है कि आप अपनी अंग्रेजी कक्षा के लिए जो टेक्स्ट चुनते हैं, आपको उस पर केन्द्रित विभिन्न तरह की गतिविधियों की योजना बनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आप छात्र-छात्राओं और कक्षाओं के विविध समूहों की आवश्यकताओं के अनुसार अपनी गतिविधियों को अनुकूलित भी कर सकते हैं।

इस इकाई की गतिविधियाँ आपको चरणबद्ध रूप से, आपकी पसंद के टेक्स्ट पर आधारित अनेक गतिविधि सीखने की योजना, तैयारी, प्रबंधन और मूल्यांकन तक ले जाएँगी।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक के पाठों का विस्तार करना।
- अंग्रेजी पाठों से जुड़ी गतिविधियों की योजना तैयार करना।
- अंग्रेजी के लिए कक्षा प्रबंधन कौशल विकसित करना।

1 एक कहानी कई गतिविधियाँ

जब आप किसी एक कहानी या कविता पर केंद्रित कई तरह की गतिविधियों की योजना बनाते हैं, तो आप भाषा सीखने की छात्र-छात्राओं की अलग-अलग जरूरतों पर ध्यान दे सकते हैं। केस स्टडी 1 में, एक शिक्षिका एक परिचित कहानी से जुड़ी कई गतिविधियों की योजना बनाती है।

केस स्टडी 1: मीरा मिश्रित आयु-वर्गों के लिए एक से अधिक गतिविधियों की योजना बनाती है

मीरा पहली, दूसरी और तीसरी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के मिश्रित आयु वाले बड़े समूह की शिक्षिका हैं।

मेरी कक्षा में अलग-अलग उम्र और क्षमताओं वाले छात्र-छात्रा हैं। अलग-अलग समूहों को भाषा की अलग-अलग पुस्तकें देने के बजाय, मैं एक कहानी पर आधारित शिक्षा गतिविधियों की योजना बनाती हूँ, जिसे प्रत्येक समूह अपने अपने स्तर पर हासिल कर सके।

उदाहरण के लिए, मेरे सभी छात्र-छात्राओं को 'The Puri Boy' [संसाधन 1 देखें] की कहानी पसंद है। इस कहानी के लिए, मैंने अलग-अलग आयु समूहों के लिए चार गतिविधियों की योजना बनाई। मैंने छात्र-छात्राओं को इन समूहों में रखा और इन समूहों का एक चार्ट दीवार पर प्रस्तुत किया। इसके बाद मैंने कक्षा में तैयारी की, ताकि सप्ताह के हर दिन एक समूह के पास 'Puri Boy' गतिविधि पर काम करने के लिए एक स्थान हो। छोटी उम्र छात्र-छात्रा मेरे साथ काम करते हैं, और बड़ी उम्र छात्र स्वतंत्र रूप से काम करते हैं — यह उनके लिए सीखने का एक अच्छा कौशल है।

दो सप्ताह की अवधि में, मैं समूहों को बारी-बारी से इन सभी गतिविधियों में शामिल करती हूँ। मैं एक और दीवार चार्ट बनाती हूँ, जिसमें बताया जाता है कि प्रतिदिन प्रत्येक समूह क्या काम करेगा। समूह नाम चार्ट और गतिविधि चार्ट छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

कभी-कभी मैं समूहों को मिश्रित कर देती हूँ, ताकि बड़ी उम्र वाले छात्र छोटे छात्र-छात्राओं की मदद करें। साथ ही, मैं बड़े छात्र-छात्राओं से यह उम्मीद रखती हूँ कि वे छोटे छात्र-छात्राओं की तुलना में अधिक लेखन कार्य करें।

कहानी 'Puri Boy' के लिए मेरी गतिविधियाँ ये हैं। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि किस समूह ने मेरे साथ

काम किया और किस समूह ने स्वतंत्र रूप से काम किया?

1. चित्रों के आधार पर कहानी को आगे बढ़ाएँ और कुत्ता, बकरी, बैल, सांड, हाथी या बंदर जैसे अन्य जानवरों और उनकी आवाजों को शामिल करें। छात्र मुझे अपनी मातृभाषाओं में इन जानवरों के नाम बताएँगे।
2. बोर्ड से पढ़ें और अन्य क्रिया शब्दों का अभ्यास करें:
 - Run, run, as fast as you can
 - Jump, jump, as high as you can
 - Skip, skip, as far as you can
 - Walk, walk, as far as you can

विशेष क्षमता वाले छात्र-छात्रा खुद को उपेक्षित न महसूस करें, यह सुनिश्चित करने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है:

- Eat, eat as much as you can
 - Clap, clap as loud as you can
 - Sleep, sleep as long as you can
3. शब्द खोज : छात्र-छात्राएँ इन शब्दों में छिपे शब्द (दों) की पहचान करते हैं: 'catch', 'woman', 'late', 'fast' और 'dough'। कम सक्षम छात्र-छात्रा और छोटी उम्र के छात्र-छात्रा चित्रों और शब्दों का मिलान करते हैं।
 4. जोड़ियों में अभ्यास करें और अंग्रेजी संवाद लिखें : एक छात्र बोलने वाली पूड़ी है और दूसरा छात्र उस पूड़ी से बात कर रहा है। कहानी के इन शब्दों और वाक्यांशों के उपयोग के साथ शुरुआत करें, और 'Oh no! Don't eat me! I will run away!' जैसे अन्य अंग्रेजी वाक्यांशों को आजमाकर देखें।

मैं हमेशा सक्षम छात्र-छात्राओं के करने के लिए कुछ विस्तार गतिविधियों की योजना बनाती हूँ, जैसे:

- कथा विस्तार और अलग-अलग अंत: इस बारे में बताएँ या लिखें कि यदि लोमड़ी पूड़ी बालक को नहीं खाती तो क्या हुआ होता।
- बोलने वाली कार, बोलने वाली गुड़िया, या बोलने वाली चपाती जैसे नए पात्र बनाएँ और इन नए पात्रों के साथ नई कहानियाँ लिखें या सुनाएँ।

इस तरह की कहानी के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Radiance part-I में The talking potato देखें।

अंत में, मैं पूरी कक्षा के करने के लिए गतिविधियों की योजना बनाती हूँ। ऐसा करने से सभी लोग साथ मिलकर सीखते हैं:

- मुखौटा बनाना : कागज़ की एक शीट पर कहानी के किसी भी पात्र का चित्र बनाएँ। उसकी आँखों को काट लें। मुखौटे के दोनों तरफ एक-एक छिद्र बनाएँ। इन छिद्रों में धागा डालें और उसके सिरों पर गाँठ लगाएँ। शिल्प निर्देशों के माध्यम से बताई गई अतिरिक्त शब्दावली सीखें, उदाहरण. 'draw', 'cut', 'string', 'eyes', आदि। शिल्प संसाधनों पर अंग्रेजी में लेबल लगाएँ।
- संवाद लेखन : पात्रों के बीच संवाद, नए पात्रों, नए क्रिया शब्दों और मुखौटों का उपयोग करके कहानी का अभिनय करना।

छात्र-छात्रा उसी कहानी पर वापस लौटने में बोरियत महसूस नहीं करते। एक कहानी पर केंद्रित अलग-अलग

गतिविधियों की योजना बनाने से उन्हें – और मुझे – एक परिचित और मजेदार थीम का उपयोग करके बार-बार अंग्रेजी का अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। एक टेक्स्ट पर केंद्रित अनेक गतिविधियों के कारण, छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी के उपयोग का आत्मविश्वास विकसित करने का समय मिलता है और जब मैं समूहों में काम करती हूँ, तो मुझे मूल्यांकन के अवसर मिलते हैं।



ज़रा सोचिए

- क्या आपको लगता है कि आपके छात्र-छात्राओं को इस तरह के कथा-आधारित पाठ अच्छे लगेंगे? क्यों या क्यों नहीं?
- एक शिक्षक-शिक्षिका के रूप में, इस तरह के सीखने की योजना बनाने में आपके लिए क्या कठिनाइयाँ हैं?
- क्या आपको लगता है कि भले ही ये सभी न सही, लेकिन आप इस तरह के कुछ सत्र आयोजित कर सकते हैं?

आगे आने वाली गतिविधियों से आपको एकाधिक गतिविधि सत्रों की योजना बनाने, प्रबंधन करने और मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी।

गतिविधि 1: एक कहानी के साथ एकाधिक गतिविधि की योजना बनाएं

यदि संभव हो, तो यह गतिविधि अपने सहकर्मियों के साथ करें। नीचे दी गई लघुकथा का उपयोग करें या अपनी अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक से कोई कहानी चुनें।

‘राजा’

Raja called Shyama to come and play with him. Shyama said that he had to work and could not play. Raja went to a field with a ball. Raja saw honey bees and called them to play. The honey bees said they could not play as they had to work. He then saw ants. Raja called out, ‘Ants! Ants! Come let us play!’ ‘No, we cannot play. We have to work,’ said the ants. Raja went home. He helped his father at work. Father said, ‘You are a good boy.’ Raja felt happy.

साथियों के लिए राजा की खोज की कहानी पर आधारित संभावित गतिविधियों पर विचार करें और उन्हें सूचीबद्ध करें। ऐसे गतिविधियों के बारे में सोचें, जिनमें निम्नलिखित तत्व शामिल हो सकते हैं:

- कला और शिल्प
- खेल
- नाटक, संवाद या रोल प्ले
- पढ़ना
- लिखना
- अंग्रेजी का उपयोग करके अन्य शब्दों से जुड़ने के लिंक।

यह करते समय, अपने छात्र-छात्राओं की अलग-अलग क्षमताओं के बारे में सोचें। इन गतिविधियों से किस तरह उन्हें सीखने में सहायता मिल सकती है?

यहाँ बताया गया है कि राजा की कहानी के लिए कक्षा तीन के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने क्या सोचा। प्रत्येक गतिविधि में, अंग्रेजी पढ़ने, लिखने या बोलने पर जोर दिया गया है।

- **शिल्प गतिविधि:** कीड़े-मकोड़ों और जानवरों के मुखौटे बनाएँ। यदि कक्षा में आंशिक दृष्टिदोष वाले या नेत्रहीन छात्र-छात्रा हैं, तो अन्य छात्र-छात्रा उनके लिए मुखौटों की रूपरेखा बनाएँगे। साधनों और सामग्रियों (मुखौटा, कागज़, कैंची, पेंट, धागा) पर अंग्रेज़ी में लेबल लगाएँ।
- **नाटक/भूमिका निभाना:** संवादों के अनुसार अभिनय करें, शिल्प गतिविधि में तैयार किए गए मुखौटों का उपयोग करके अन्य जानवर और राजा के मित्र जोड़ें। अंग्रेज़ी उच्चारण और बोलने का अभ्यास करें।
- **पढ़ना और शब्दावली का विकास:** वाक्यों 'Come let us play' और 'No, we cannot play' को देखते हुए चाकबोर्ड पर से या पाठ्यपुस्तक से, एक साथ मिलकर यह कहानी ऊँची आवाज़ में पढ़ें। वाक्यों के अलग-अलग शब्दों के लिए नए विकल्पों का उपयोग करें और उन्हें साथ मिलकर पढ़ें। जैसे 'Come let us dance', 'Come let us cook' या 'Come let us sing', और 'No, we cannot dance/cook/sing'। नई शब्दावली पर ध्यान केंद्रित करें।
- **लिखना:** स्पीच बबल (भाषण बुलबुले) की सहायता से कहानी के विभिन्न दृश्यों की शृंखला का चित्रण करें और इनमें संवाद लिखें। जिन छात्र-छात्राओं को लिखने में कठिनाई होती है, उन्हें दृश्यों पर लेबल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अंग्रेज़ी में लिखने के प्रयासों को प्रोत्साहित करें।
- **अन्य विषयों के संबंध:** कीड़े मकोड़ों और जानवरों के निवास-स्थानों, तथा कीड़ों और स्तनपायी जानवरों के बीच अंतरों का वर्णन करने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करें। भाषा शिक्षा से बाहर भी अंग्रेज़ी का उपयोग करें।

अब अधिकतम तीन ऐसी गतिविधियाँ चुनें, आपके अनुसार जिन्हें एक लघुकथा या कविता का उपयोग करके कार्यान्वित किया जा सकता है। ऐसा पाठ चुनें, जिसमें आपको और आपके छात्र-छात्राओं को मज़ा आएगा। ऐसी गतिविधियाँ चुनें, जिन्हें छात्र-छात्राओं के साथ करने में आप आत्मविश्वासी महसूस करें। आपको किसी शिल्प या खेल के बारे में ज्यादा आत्मविश्वास महसूस हो सकता है, या आप किसी पठन गतिविधि के साथ अधिक सुरक्षित महसूस कर सकते हैं। जब आपने कोई कहानी चुन ली है और कुछ गतिविधियों पर विचार कर लिया है, तो अब इन विचारों पर अपने सहकर्मियों के साथ चर्चा करें। उनका फीडबैक लें और अपने विचारों में बदलाव करें।



ज़रा सोचिए

- क्या आप छात्र-छात्राओं को आयु वर्गों में रखेंगे या क्षमता समूहों में रखेंगे?
- क्या आप अलग-अलग गतिविधियाँ करने वाले दो या तीन समूह बनाएँगे, या सभी छात्र-छात्रा एक ही गतिविधि करेंगे?
- आप अपनी कक्षा में स्थान किस तरह व्यवस्थित करेंगे?
- आपको किन संसाधनों की आवश्यकता होगी?
- आप छात्र-छात्राओं को अपनी योजनाओं की जानकारी किस तरह देंगे?
- सीखने की आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं के लिए आपको कौन-सी अतिरिक्त योजनाएँ बनानी होंगी?

एकाधिक गतिविधियों में छात्र-छात्राओं के व्यवस्थित करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 2, 'समूह कार्य का उपयोग करना' देखें।

अब गतिविधि जारी रखें, और इसमें अधिक विवरण जोड़ें।

गतिविधि 2: एक से ज्यादा गतिविधियों के लिए विस्तृत योजना

जब योजना विस्तृत और लचीली हो, तब एक से ज्यादा गतिविधियाँ अच्छी तरह काम करती हैं। कुछ विचारणीय बिंदु

निम्नलिखित हैं।

समय निर्धारण

निर्देश देने, छात्र-छात्राओं के समूह बनाने, उपकरणों को ले जाने और संसाधनों का वितरण करने के लिए लगने वाले समय सहित प्रत्येक गतिविधि के लिए आपको कितना समय लगेगा?

उदाहरण के लिए, केस स्टडी 1 में 'पूरी बालक' गतिविधियाँ:

- कहानी सुनाना या पढ़ना: 20 मिनट
- नए क्रिया शब्द पढ़ाना और उनका अभ्यास करना: 15 मिनट (जिसमें छात्र-छात्राओं को एक गोले में खड़े रहने और सुनने, दोहराने आदि के निर्देश देना शामिल है)
- मुखौटा बनाना: 30 मिनट (जिसमें संसाधन वितरित करना और निर्देश दोहराना शामिल है)।

जैसा कि आप देख सकते हैं, सब-कुछ अच्छी तरह करने के लिए कक्षा के एक घंटी का समय पर्याप्त नहीं है। गतिविधियों की योजना दो या तीन घंटी के लिए, या सप्ताह के अलग-अलग दिनों के लिए किया जाना चाहिए। विद्यालय का कैलेंडर देखकर एक उपयुक्त समय तय करें, ताकि गतिविधियाँ किसी भी व्यवधान के बिना की जा सकें।

अंग्रेजी भाषा

गतिविधियों को अंग्रेजी भाषा सीखने के अवसरों में बदलें। आप छात्र-छात्राओं से किन शब्दों या वाक्यांशों का अभ्यास करवाना चाहते हैं? आप कैसे सुनिश्चित करेंगे कि इनका उपयोग किया जाता है? इन शब्दों और वाक्यांशों की एक सूची बनाएँ। आप उन्हें अपनी कक्षा में बोर्ड पर या एक पोस्टर पर प्रदर्शित कर सकते हैं।

कक्षा का स्थान और व्यवस्था

आपको अपनी कक्षा का रखरखाव (सेट अप) बदलने की ज़रूरत पड़ सकती है। क्या आपको कुर्सियाँ या डेस्क की जगह बदलने की ज़रूरत होगी? इस काम में छात्र-छात्रा आपकी मदद कर सकते हैं। आप एक गतिविधि शुरू करने, रोकने या दूसरी गतिविधि में जाने के लिए छात्र-छात्राओं को किस प्रकार व्यवस्थित करेंगे? छात्र-छात्राओं को व्यवस्थित करने और उनका ध्यान आकृष्ट करने के लिए अंग्रेजी शब्दों और वाक्यांशों का अभ्यास करें। यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं:

- 'Turn around and face each other.'
- 'Turn your chairs around.'
- 'Form a circle.'
- 'Move around quietly.'
- 'Listen to me.'
- 'Is everyone ready?'
- 'Please stop and look at me.'
- 'It's time to stop now.'

अब अपनी गतिविधि, वर्गकक्ष और अपने छात्र-छात्राओं से संबंधित अपने कुछ वाक्यांश आप स्वयं तैयार करें। घर पर या किसी सहकर्मी के साथ उनका अभ्यास करें।

संसाधन और कक्षा प्रबंधन

आपको जिन संसाधनों की आवश्यकता होगी, उनकी एक सूची बनाएँ। आप संसाधनों के वितरण की व्यवस्था किस प्रकार करेंगे? उदाहरण के लिए, आप:

- पहले से ही संसाधनों को टेबलों पर रख सकते हैं और निर्देश दे सकते हैं कि एक टेबल के पास कितने

छात्र-छात्रा खड़े होने चाहिए

- छात्र-छात्राओं को समूह बनाने के लिए कह सकते हैं और प्रत्येक समूह के एक सदस्य को संसाधन उठाने के लिए कह सकते हैं
- छात्र-छात्राओं के नाम पुकार सकते हैं और उन्हें संसाधन लेने को कह सकते हैं।

अब आपके पास अपनी कहानी या किसी अन्य टेक्स्ट पर आधारित एकाधिक गतिविधियों के लिए विस्तृत योजना होनी चाहिए, जिसमें पाठों में लगने वाला समय, अंग्रेजी भाषा के वे शब्द, जिनका आप उपयोग करेंगे और छात्र-छात्राओं को उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, तथा इसमें आवश्यक संसाधन शामिल होंगे।

किसी सहकर्मी के साथ मिलकर अपनी योजना की समीक्षा करें और चर्चा के बाद आवश्यक होने पर इसमें परिवर्तन करें।

2 कक्षा में विविध गतिविधियाँ

विविध गतिविधियाँ ज्यादा छात्र-छात्राओं वाली कक्षाओं, और मिश्रित आयु-वर्गों तथा मिश्रित क्षमताओं वाली कक्षाओं के प्रबंधन का एक प्रभावी तरीका हो सकता है। इससे आपको भी विशिष्ट समूहों को अलग करने का एक अवसर मिलता है, ताकि वे समूह आपके साथ मिलकर अधिक एकाग्रता के साथ बोलने, पढ़ने या लिखने के सत्रों में शामिल हो सकें, जबकि अन्य समूह अपने अन्य कार्य करें। इस तरह, प्रत्येक छात्र-छात्रा सप्ताह के दौरान कभी न कभी आपके साथ केंद्रित पठन में शामिल हो सकेगा। जब आप छोटे समूह के साथ पढ़ते हैं, तो आपको प्रत्येक छात्र-छात्रा के पठन विकास का मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है।

इस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है कि जब छात्र-छात्रा उनके कार्य में व्यस्त होंगे, तब आप क्या करेंगे। आप बारी-बारी से प्रत्येक समूह में जा सकते हैं और पाठ के दौरान उसकी प्रगति का निरीक्षण कर सकते हैं। जब आप समूह कार्य शुरू करते हैं, तो अक्सर यह सुनिश्चित कर लेना उपयोगी होता है कि छात्र-छात्रा अपने कार्य कर रहे हैं, लेकिन साथ ही आपको छात्र-छात्राओं को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे स्वतंत्र रूप से कार्य करें – भले ही केवल दस मिनट के लिए ही सही। इससे उनका स्वतंत्र रूप से सीखने का कौशल विकसित होगा।

अप्रत्याशित घटनाओं के लिए योजना बनाना भी याद रखें। आपकी योजना में क्या गड़बड़ी हो सकती है या क्या व्यवधान आ सकता है? हो सकता है कि छात्र-छात्राओं को इस तरीके से काम करने की आदत न हो, या वे आपके निर्देशों को समझ न सकें। आपको अपनी गतिविधि को पुनः व्यवस्थित करने या अपने निर्देशों के तरीके में बदलाव करने की ज़रूरत पड़ सकती है।

छात्र-छात्राओं को स्पष्ट निर्देश दें, ताकि वे यह समझ सकें कि उनके व्यवहार और उनके परिणामों के संदर्भ में क्या आवश्यक है। निर्देशों को दोहराएँ और छात्र-छात्राओं को उन्हें दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि इस बात की पुष्टि हो जाए कि वे इन्हें अच्छी तरह समझ गए हैं। इस बात को पहचानें कि इस भूमिका में स्वयं आपके पास भी अंग्रेजी का अभ्यास करने और बोलने के अवसर हैं।

शुरु में आपको इसके लिए विस्तृत योजना बनानी पड़ सकती है, जिसमें कक्षा और समूहों के प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ भी शामिल हैं। समय के साथ-साथ, आपको पता चलेगा कि गतिविधियों की व्यवस्था करना सरल होने लगता है क्योंकि छात्र-छात्राओं को इस दिनचर्या की आदत हो जाती है।

जब आप गतिविधियाँ 1 और 2 में विकसित की गई योजना को कार्यान्वित करते हैं, तो इन प्रश्नों के उत्तर देने की कोशिश करें, ताकि आप इसके परिणामों से सीख सकें और अगले पाठों में अपनी शिक्षा को लागू कर सकें:

- आपको सबसे ज्यादा अच्छा क्या लगा? क्यों?
- छात्र-छात्राओं को सबसे ज्यादा अच्छा क्या लगा?
- किस बात को बेहतर तरीके से नियोजित किया जा सकता था?
- इन गतिविधियों से छात्र-छात्राओं को किस हद तक अंग्रेजी का अभ्यास करने के अवसर मिले?

- आपने अलग-अलग छात्र-छात्राओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गतिविधियों में विविधता की योजना किस प्रकार बनाई?
- आपको अपनी स्वयं की अंग्रेजी का अभ्यास करने के लिए कौन-से अवसर मिले?
- आप अगली बार कौन-सा काम अलग तरीके से करेंगे?



वीडियो: सीखने की योजना बनाना



3 सारांश

यह इकाई इस बात पर केंद्रित थी कि आप पाठ्यपुस्तक के पाठों की संभावनाओं का विस्तार करने के लिए गतिविधियों को किस प्रकार व्यवस्थित कर सकते हैं, ताकि प्रत्येक छात्र अंग्रेजी सीख सके और इसका अभ्यास कर सके। अच्छी तरह अंग्रेजी सीखने के लिए, छात्र-छात्राओं को आपके द्वारा व्यवस्थित किए गए विविध भाषा अनुभवों की आवश्यकता होगी।

अंग्रेजी में कुशलता केवल पाठ्यपुस्तक के उपयोग द्वारा विकसित नहीं की जा सकती। सौभाग्य से, भारत का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और अधिकांश राज्यों के पाठ्यक्रम शिक्षक-शिक्षिकाओं को छात्र-छात्राओं की आवश्यकताओं के आधार पर अतिरिक्त गतिविधियाँ चुनने और उनकी योजनाएँ बनाने की स्वतंत्रता देती है। इसलिए अपनी अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक के रोचक और सार्थक भाषा शिक्षण गतिविधियों की एक शृंखला का प्रारंभिक बिंदु मानें, जहाँ आप अपनी रचनात्मकता और शिक्षा कौशल का उपयोग कर सकते हैं।

प्रारंभिक अंग्रेजी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *रचनात्मक कलाओं में अंग्रेजी सीखना*
- *अंग्रेजी और विषय सामग्री एकीकरण*
- *साझा पठन*
- *पठन कौशल का विकास और अनुश्रवण*

संसाधन

संसाधन 1: 'The Puri Boy'

Once upon a time, an old woman and her husband lived alone in a little old house. They had no children. One day the woman made a puri shaped like a boy. She carefully rolled out the dough, and cut out a very nice-looking boy. What a fine looking boy he was!

The old woman put him in the pan full of hot oil, to fry. After he was fully fried and fluffy, she carefully lifted him from the pan. Up jumped the puri boy, and he ran out the door saying, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The old woman and the old man ran after him, but they could not catch him.

And so the Puri boy ran and ran. While he was running, he met a cow.

'Moo,' said the cow. 'You look very fine! Fine enough to eat!' and the cow started to chase the little boy.

But the puri boy ran faster, saying, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, and I can run away from you!'

And he laughed, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The cow ran after the puri boy, but it could not catch him.

While he ran, he met a cat.

'Meow,' said the cat. 'You look good enough to eat. I'm going to eat you, puri boy.'

But the puri boy just laughed, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, I ran away from a cow, and I can run away from you!'

And so he ran singing, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The cat ran after the puri boy, but it could not catch him. The puri boy was proud that he could run so fast.

'Nobody can catch me,' he thought. So he kept on running until he met a fox. He wanted to tell the fox how he ran faster than all the others.

'Mr Fox,' he said, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, I ran away from a cow, I ran away from a cat, and I can run away from you.'

'Why would I want to eat you?' asked Mr Fox. 'I do not like puris.'

The puri boy was happy to hear this. He stopped running. Immediately, the fox ate him up. The fox said, 'Sorry, puri boy – I do like puris.'

संसाधन 2: समूहकार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो छात्र-छात्राओं के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी शिक्षण को प्रोत्साहित करते हैं।

समूहकार्य के लाभ

समूहकार्य छात्र-छात्राओं को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके छात्र-छात्रा दूसरों को सिखा सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह शिक्षण का शक्तिशाली और सक्रिय स्वरूप है।

समूहकार्य में छात्र-छात्राओं का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बात को लेकर स्पष्ट होना होगा कि आप पढ़ाई के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़े में कार्य या छात्र-छात्राओं के स्वयं से कार्य करने पर तरजीह देने योग्य क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

समूहकार्य का नियोजन करना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप कौन सा शिक्षण पूरा करना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने छात्र-छात्राओं से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक शिक्षक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजना अग्रिम रूप से बनाते हैं:

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि को अंतिम समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूहकार्य के काम

वह काम जो आप अपने छात्र-छात्राओं को पूरा करने को कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक-दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। तथापि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतिकरण:** छात्र-छात्रा समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतिकरण बनाते हैं। यह सबसे बढ़िया उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे को सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रत्येक समूह को प्रस्तुत करने के लिए दिए गए समय के विषय में काफी सख्ती बरतें और अच्छे प्रस्तुतिकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। छात्र मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतिकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
 - क्या प्रस्तुतिकरण स्पष्ट था?
 - क्या प्रस्तुतिकरण सुसंरचित था?

- क्या मैंने प्रस्तुतिकरण से कुछ सीखा?
- क्या प्रस्तुतिकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?
- **समस्या को हल करना:** छात्र-छात्रा किसी समस्या या समस्याओं की एक शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें शामिल हो सकता है, विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास के सबूत का विश्लेषण करना।
- **कोई कलाकृति या उत्पाद बनाना:** छात्र-छात्रा समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी को सारांशित करने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर का विकास कर सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत कुछ जानकारी मिलेगी कि उन्हें क्या पहले से पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न उम्रों या दक्षता स्तरों के छात्र-छात्राओं को किसी उपयुक्त काम पर मिलकर काम करने देने का अवसर है। अधिक दक्षता प्राप्त करने वाले काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता प्राप्त करने वालों के लिए कक्षा की बनिस्बत समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।
- **चर्चा:** छात्र-छात्रा किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए छात्र-छात्राओं के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या विवाद का आयोजन आप और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

समूहों का संगठन करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपकी कक्षा की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप छात्र-छात्राओं को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएं कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूहकार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए दिनचर्याएं और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो छात्र-छात्राओं को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे इसे आनंददायक पाएंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक अनुदेश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने छात्र-छात्राओं को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में ऐसे स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या स्कूल के बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरु करने से पहले छात्र-छात्राओं को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदलना चाह सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **‘विशेषज्ञ समूह’:** प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को पुनर्गठित करें ताकि प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक ‘विशेषज्ञ’ से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों के ज्ञान को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पॉवर स्टेशन बनाना या नाटक का अंश तैयार करना चाहिए।
- **‘दूत’:** यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक दूत भेजने को कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना और फिर वापस अपने स्वयं के समूह को सूचित कर सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको नज़र आई किसी भी गलतफहमी को सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। छात्र-छात्राओं की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी-कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ छात्र-छात्रा:

- सक्रिय शिक्षण का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्व्यैक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके छात्र-छात्राओं ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समयों या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि छात्र-छात्राओं की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए समूहों में सीखने का हर समय उपयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका उपयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात् शुरू करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को हल करने या कक्षा में अनुभवजनित शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: <http://www.karaditales.com/>
- National Book Trust India: <http://www.nbtindia.gov.in/>
- NCERT textbooks: <http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm>
- Teachers of India classroom resources: <http://www.teachersofindia.org/en>

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T. (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy*. Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami, U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read*. London: Routledge.

Goswami, U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages' in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling*. Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

द पूरी बॉय': RVEC द्वारा अनुकूलित एवं विकसित पारंपरिक कहानी (<http://www.rvec.in/>)। (The Puri Boy': a traditional tale adapted and developed by the RVEC (<http://www.rvec.in/>).)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।